हिंदी युवकभारती

समय : ३ घंटे | **मार्च - २००९** | **कुल अंक : ८०**

प्रश्न १. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर २०० से २५० शब्दों में निबंध लिखिए : (१०

(१) भारत की आजादी के साठ साल (२) अकालग्रस्त किसान की आत्मकथा (३) शिक्षा और दूरदश

(४) यदि हममें एकता न होती (५) आज की भारतीय नारी

प्रश्न २. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग १०० शब्दों में लिखिए : (६

(१) बालका-साधु की प्रेमकथा अपने शब्दों में बताइए।

(२) 'महादान' कहानी में यशपाल ने सेठ परसादीलाल की पाखंडी प्रवृत्ति पर किस प्रकार व्यंग्य किया है ?

(३) पाँच बेटों की माँ चाची को बुढ़ापे में अलग चूल्हा क्यों जलाना पड़ा ?

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग ६० शब्दों में लिखिए : (८

(१) लेखक के अनुसार छाते से क्या लाभ है ?

(२) लेखक ने महाराष्ट्र के शिक्षा आंदोलनों के संदर्भ में क्या संकेत किया है ?

(३) ट्रेन की छत पर सवार मुसाफिर क्या चर्चा करते थे ?

(४) कुक्कुट-गृह के लिए मुर्गे-मुर्गियाँ कैसे इकट्ठा की गईं ?

प्रश्न ४. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग ८० शब्दों में लिखिए : (५

(१) प्रभु की कृपा से कौन से लाभ होते हैं ?

(२) 'विनम्रता' कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

(३) भोर को देखकर कवि के मन में क्या-क्या विचार उठते हैं ?

प्रश्न ५. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक उत्तर लगभग ५० शब्दों में हो : (९

(१) कवि के अनुसार भू पर स्वर्ग कैसे उत्पन्न होगा ?

(२) काँटे फूलों की रक्षा किस प्रकार करते हैं ?

(३) लडकी के मतानुसार चाँद को कौन-सी बीमारी है ?

(४) 'लोक लाज खोई' ऐसा मीराँबाई ने क्यों कहा है ?

(५) सूरदास करूणामय प्रभु की वंदना बार-बार करने के लिए क्यों कहते हैं ?

प्रश्न ६. (च) निम्नलिखित अवतरण का संदर्भ सहित स्पष्टीकरण कीजिए : (४

"आह! मैं किस भ्रम में पड़ा हुआ हूँ ? क्या उस अत्मिक पवित्रता को, जो मेरी जन्म-भर को कमाई है, केवल थो से धनपर अर्पण कर दूँ ?"

अथवा

"मेरा नहीं तो किसी का तो वो है ही। वहीं ले जाकर छोड़ दो। मैं उतरने को तैयार हूँ।"

(छ) निम्नलिखित पद्यांश का संदर्भ सहित स्पष्टीकरण कीजिए : (४

रहिमन न्जि मन की व्यथा, मन ही राखौ गोय।
सुनि अठिलैहैं लोग सब, बँटि न लैहैं कोय।।

अथवा

जनम-मरण की यह रज-काँवर,
सब भू की सौगात,
गगन की बात न करना!
आज बसंत की रात,
गमन की बात न करना!

(ज) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 'एक' वाक्य में लिखिए : (४

(१) छाता किसका प्रतीक है ? (२) आनंद किस शहर में प्रोफेसर है ?

(३) निरुपमा के पति की मृत्यु कैसे हुई ? (४) वन देवता कब प्रसन्न होते हैं ?

(५) खून में लथपथ पड़ी हुई लाश किसकी थी ?

प्रश्न ७. (क) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग ६० शब्दों में लिखिए : (

(१) राष्ट्रभक्त देव को पुलिस इन्स्पेक्टर क्यों नहीं रुला पाया ?

(२) घीसा में स्वच्छता के प्रति कैसे आस्था पैदा हुई ?

(३) बापूजी के संदर्भ में महादेवीजी के संस्मरण अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। प्रत्येक उत्तर लगभग ५० शब्दों में हो : (

(१) कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर और हास्य व्यंग्य। (२) 'चंद्रगुप्त' नाटक में बालक वर्मा का अभिनय।।

(३) भोजन-विलासी और शैया-विलासी की कहानी।। (४) रामदास का बाह्य व्यक्तित्व।।

प्रश्न ८. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों के रचना के अनुसार भेद पहचानकर लिखिए : (२)

(१) मिस्टर गोपालदास बी. ए. पास थे।

(२) वह रोए जा रही थी और मैं उसे चुप कर रही थी।

(३) जब वह गई तो मुझे लगा था कि जैसे मेरा कलेजा आधां कटकर रह गया हो।

(आ) कोष्ठक की सूचना के अनुसार किन्हीं दो वाक्यों का काल-परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए : (२)

(१) लालाजी माथा ठोक लेते हैं। (सामान्य भूतकाल में बदलिए।)

(२) मुर्गों पर भी बराबर हिस्सा मिलता हैं। (सामान्य भविष्यत्काल में बदलिए।)

(३) शिवालय के पुजारी भी तो अभी नीचे बावड़ी में स्नान कर रहे थे। (अपूर्ण वर्तमानकाल में बदलिए।)

(इ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : (२)

(१) सलामत रहना (२) दायाँ हाथ होना (३) बुढ़ापे की लाठी होना (४) फूट-फूट कर रोना

(ई) (i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का भाववाचक संज्ञा-रूप लिखिए : (१)

(१) सज्जन (२) ताजा

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का विशेषण-रूप लिखिए : (१)

(१) नीति (२) पत्थर

(उ) निम्नलिखित में से कोई दो वाक्यों को शुद्ध कर फिर से लिखिए : (२)

(१) नीना मेरे एक उपन्यास कि पात्र है। (२) आपके रास्ते में एक व्यक्ति मिलते हैं।

(३) कोई नहीं तो वाहे गुरू का पास तो है।

प्रश्न ९. निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए : (५)

जीवन में साहित्य की उपयोगिता अनिवार्य है। साहित्य मानव जीवन को वाणी देने के साथ समाज का पथ-प्रदर्शन भी करता है। उपयोगित की दृष्टि से देखें तो साहित्य के अध्ययन से अनेक लाभ हैं। साहित्य मानव जीवन के अतीत का ज्ञान कराता है, वर्तमान का यथार्थ चित्रण कराता है और भविष्य के निर्माण को प्रेरणा भी देता है। प्रत्येक आनेवाला समाज और युग इनसे प्रेरणा लेता है। साहित्य ही हमें मनुष्य की कोटि में बनाए रखता है। किसी समाज का साहित्य क्षीण होने लगे तो वह समाज भी रसातल को चला जाता है। साहित्य समाज के साथ कार्य करते हुए भी समाज के लिए प्रकाश के स्तंभ का कार्य करता है। साहित्य का आलोक-पुंज सूर्य की भाँति समाज के समस्त विकारों का हरण करता है; तभी वह सत्-साहित्य कहलाने का अधिकारी होता है।

प्रश्न : (१) साहित्य के अध्ययन से कौन-से लाभ होते हैं ? (२)

(२) सत्-साहित्य किसे कहा जा सकता है ? (२)

(३) इस गद्य-खंड के लिए उचित शीर्षक दीजिए। (१)

अथवा

उपर्युक्त परिच्छेद का एक तिहाई (१/३) शब्दों में सार लिखिए तथा उचित शीर्षक दीजिए।

प्रश्न १०. निम्नलिखित पत्र का प्रारुप तैयार कीजिए : (५)

मनीष / मनीषा सोनकर, २५ शास्त्रीनगर, सोलापुर, से प्रधानाचार्य राजर्षी शाहू महाराज कनिष्ठ महाविद्यालय, सोलापुर, के नाम छात्रवृत्ति मिलने हेतु प्रार्थना-पत्र लिखता / लिखती है।

अथवा

राधा / रमेश वर्मा, ३०७ साने गुरूजी मार्ग, धुलिया, से व्यवस्थापक, सुधीर प्रकाशन, ७३५ भावे मार्ग, नागपुर, के नाम 'गोदान' की दस प्रतियाँ मँगाने हुए पत्र लिखती / लिखता है।

❖ ❖ ❖